GURU KASHI UNIVERSITY

Master of Arts in Hindi

Appendix I

Session: 2025-26

Faculty of Sciences, Humanities and Languages

Graduate Attributes of the Programme: -

Type of learning outcomes	**The Learning Outcomes Descriptors**
Graduates should be able to demonstrate the acquisition of:	
Learning outcomes that are specific to disciplinary areas of learning.	संदर्भित ज्ञान की समझ एवं विषय की प्रकृति की समझ बढ़ेगी
	आंतरिक अनुशासनिक विषयों का ज्ञान विकसित होगा एवं विशेषज्ञता की उपलब्धि होगी
	अध्ययन से विचार परिष्कृत एवं प्रभावी ढंग से गृहित होगे
Generic learning outcomes	विषय का प्रायोगिक अनुभव एवं विश्लेष्ण क्षमता विकसित होगी
	भाषिक क्षमता के विकास से अध्येता की शोध-दृष्टि विकसित होगी और अभिव्यक्ति क्षमता प्रभावशाली होगी
	सांस्कृतिक संचेतना के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के परिणामस्वरूप सांस्कृतिक उत्थान संभव होगा जिससे न केवल वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठा होगी वरन् जीवन-जगत् की समस्याओं का श्रेष्ठ विकल्प भी उपस्थित होगा एवं मानवता की मुक्ति और सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में शिक्षा का उपयोग होगा।)

Programme Learning outcomes: The Master's degree (M.A. Hindi) is awarded to students who have demonstrated the achievement of the outcomes located at level 6.5

Element of the Descriptor	**Programme learning outcomes relating to Master's Degree**
The graduates should be able to demonstrate the acquisition of:	
Knowledge and Understanding	अध्येता साहित्यिक ज्ञान के साथ साथ विविध विषयों की उपयोग्यता एवं मूल्यों से अवगत होंगे
	कौशल के विकास से उनमे विश्लेषण क्षमता एवं विविध क्षेत्रों का अनुभव प्राप्त होगा एवं तद्विषयक मूल्यों से अवगत होगा
	कौशल के विकास से आलोचनात्मक समझ एवं वैज्ञानिक सोच का विकास होगा
General, technical and professional skills required to perform and accomplish tasks	कौशल के विकास से विश्लेष्णात्मक तथ्यों के वैज्ञानिक निरूपण संभव होगा एवं तद्विषयक मूल्यों का ज्ञान होगा
	कौशल के विकास से तथ्यों के निरूपण में वैज्ञानिकता आएगी
Application of knowledge and skills	कौशल के विकास एवं तथ्यों के वैज्ञानिक निरूपण से वक्तव्य एवं विचारों में तद्विषयक मूल्य अंतर्भूत होंगे
Generic learning Outcomes	कौशल के विकास से आलोचनात्मक विचार एवं तथ्यों के वैज्ञानिक निरूपण संभव होंगे
Constitutional, humanistic, ethical, and moral values	कौशल के विकास से आलोचनात्मक एवं तथ्यों के वैज्ञानिक निरूपण में सहायता के साथ साथ वक्तव्य एवं विचारों में वैज्ञानिकता का अंतर्भाव होगा हिन्दी साहित्य के इस अध्ययन से नैतिक ,ऐतिहासिक ,मिथ ,सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपरागत रिक्थों का बोद्ध होगा

Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills and capabilities/qualities and mindset	कौशल के विकास से सम्पर्क में पारदर्शिता प्रकट करना एवं सैधांतिक तथा प्रायोगिक मूल्याकन संभव होगा, जिससे छात्र अनुवाद एवं आलोचना के क्षेत्र में जा सकेगें सम्पर्क में पारदर्शिता दिखाना एवं कौशल द्वारा लिखित एवं वाचिक प्रस्तुति में विश्लेष्ण एवं साहित्यिक सिधान्तों का मूल्याकन संदर्भित होगा ,जिससे छात्र भविष्य में लेखक ,एक अच्छे व प्रभावी वक्ता व एक योग्य अध्यापक बन सकेगें
Credit requirements	• The 2-year/4-semester Master's programme builds on a 3-year/6-semester bachelor's degree and requires a total of a minimum of 80 credits from the first and second years of the programme, with a minimum of 40 credits in the first year and minimum of 40 credits in the second year of the programme at level 6.5
Entry requirements	A 3-year Bachelor's degree for the 2-year/4-semester Master's degree programme (hindi)

Semester - I									
Course Code	**Course Title**	**Type of Course**	**L**	**T**	**P**	**Credit**	**Int.**	**Ext.**	**Total Marks**
MHD1400	Hindi Sahitya Ka Itihas : Aadikal se purva Madhykaltak	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD1401	Bhartiya Kavyashastra	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD1402	Bhakti Kavya	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD1403	Anuvad Vigyan	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD1404	Indian Cultural studies	IKS	**4**	0	0	4	30	70	100
Discipline Elective (Any one of the following)									
MHD1405	Katha Sahitya	Discipline Elective	4	0	0	4	30	70	100
MHD1406	Riti Kavya								
Total			**20**	**0**	**4**	**22**	**180**	**420**	**600**

Semester- II									
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**Int.**	**Ext.**	**Total Marks**
MHD2450	Hindi Sahitya Ka Itihas : Uttar Madhyakal se aadhunik kal tak	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD2451	Bhasha Vigyan	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD2452	Aadhunik Kavya -	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD2453	Srijanatmak Lekhan(Theory)	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD2454	Srijanatmak Lekhan (Practical)	Language Skill	0	0	4	2	30	70	100
Discipline Elective (Any one of the following)									
MHD2455	Punjab ka Hindi Sahitya	Discipline Elective	4	0	0	4	30	70	100
MHD2456	Mohan Rakesh (Vishesh Adhyayan)								
Total			**20**	**0**	**4**	**22**	**180**	**420**	**600**

Programme Learning outcomes: The Master's degree (M.A. HINDI) is awarded to students who have demonstrated the achievement of the outcomes located at level 6.5

Element of the Descriptor	**Programme learning outcomes relating to Masters Degree**
The graduates should be able to demonstrate the acquisition of:	
Knowledge and understanding	छात्र भाषा विज्ञान, अनुवाद विज्ञान,शैली विज्ञान, सौंदर्यशास्त्र,लोक साहित्य,ललित साहित्य,प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण से परिचित होकर सामाजिक परिप्रेक्ष्य में साहित्यसे सम्बन्ध स्थापित करेंगे । छात्रो को सिनेमा ,नाटक ,दृश्य कलाएं की योग्य समझ विकसित करना ,जिससे उनकी सांस्कृतिक अभिरुचि परिष्कृत होगी
	भाषा की गहरी अंत; समझ विकसित होगी जिससे भाषा की अभिव्यक्ति क्षमता ,अर्थ की सूक्ष्मता का बोद्ध होगा
	साहित्य के माध्यम से छात्र स्थापित शाश्वत जीवन-मूल्यों की प्रासंगिकता को समझते हुए साहित्य में कल्याणकारीभावनाओं का समावेश करेंगे ।
General, technical and professional skills required to perform and accomplish tasks	छात्रों की भाषिक समझ एवं तुलनात्मक विवेक को परिष्कृत करना ,जिससे छात्र मूल भाषा के साथ साथ लक्ष्य भाषा की विसेषताओं को भी समझ सकें और अनुवाद एवं सम्पर्क भाषा के क्षेत्र में दक्षता पूर्वक कार्य कर सकें
	छात्रों में आलोचनात्मक विवेक के परिष्कार एवं तथ्यों के वैज्ञानिक निरूपण की दक्षता प्राप्त होगी
Application of knowledge and skills	सामाजिक नैतिकता को दृष्टि पथ में रखते हुए विविध राष्ट्रिय ,अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं के योग्य होंगे
Generic learning outcomes	दृश्य कलाओं के निर्देशन एवं सूक्ष्म प्रभावों की अंत; समझ विकसित होगी

Constitutional, humanistic, ethical, and moral values	छात्र हिन्दी और हिन्दी क्षेत्रों से जुडी साहित्यिक ,सांस्कृतिक और बौधिक क्रियान्वयन में में सक्षम होंगे छात्रों के पास साहित्य , साहित्य शास्त्र ,संस्कृति ,भाषा ,विज्ञान संबंधित संकल्पों और व्याकरणिक सिधान्तों के बारे में गहरा ज्ञान ,समझ पैदा होगी
Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills and capabilities/qualities and mindset	हिन्दी साहित्य के इतिहास को पढ़ते ,समझते ,जानते हुए उनमे नैतिक ,सामाजिक ,सांस्कृतिक,परम्पराओं ,मूल्यों का समावेश होगा छात्र हिन्दी और हिन्दी क्षेत्रों से जुडी साहित्यिक ,सांस्कृतिक और बौधिक क्रियान्वयन में हिन्दी मीडिया ,पत्रकारिता ,मंच संचालन ,विचार चर्चा इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं निभाने में सक्षम होंगे
Credit requirements	A 1-year/2-semester master's programme builds on a bachelor's degree with Honours/ Honours with Research and requires a minimum of 40 credits for individuals who have completed a Bachelor's degree (Honours/ Honours with Research).
Entry requirements	A 4-year Bachelor's Degree for the 1-year/2-semester Master's programme (Hindi)

Semester-III									
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**Int.**	**Ext.**	**Total Marks**
MHD3500	Stri-Lekhan evam Dalit Sahitya	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD3501	Aalochana	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD3502	Kosh Vigyan	Skill based	0	0	4	2	30	70	100
Discipline Elective (Any one of the following)									
MHD3503	Premchand (Vishesh Adhyayan)	Discipline Elective	4	0	0	4	30	70	100
MHD3504	Natak aur Nibandh								
Discipline Elective (Any one of the following)									
MHD3505	Aadhunik Kavya (part 2)	Discipline Elective	4	0	0	4	30	70	100
MHD3506	Pashchatya kavyashaster								
Discipline Elective v (any one of the following)									

MHD3507	Hzari Prasad Dvedi (a special study)	Discipline Elective	4	0	0	4	30	70	100
MHD3508	Jagdish Chandra (a special study)								
total			**16**	**0**	**4**	**22**	**180**	**420**	**600**

Semester-IV									
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credit**	**Int.**	**Ext.**	**Total Marks**
MHD4500	Samkaleen Kavya	Core	4	0	0	4	30	70	100
MHD4501	Dissertation	Research project	0	0	0	12	30	70	100
MHD4502	Samanya Hindi	AEC	0	0	4	2	30	70	100
Discipline Elective Choose any one									
MHD4503	Aadhunik kathetar Sahitya.	Discipline Elective	4	0	0	4	30	70	100
MHD4504	Nirala (visesh adhyyn)								
Total			**8**	**0**	4	**22**	**120**	**280**	**400**
Grand Total			**68**	**0**	**16**	**88**			

Semester - I

Course Title: **हिंदी सहित्य का इतिहास : आदिकाल से पूर्व मध्यकाल तक**	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD1400	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल -विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।

2.आदिकालीन, भक्तिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

3. रासो काव्य, सूफी दर्शन और उसकी विशेषता, हिंदी काव्य परम्परा में उसका विकास एवं विशिष्ट सूफी कवियों का परिचय प्राप्त कराना।।

4.भक्ति साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।

Course Content

इकाई (क) हिंदी साहित्येतिहास लेखन परम्परा **15 hours**

हिंदी साहित्य का इतिहास- दर्शन

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा

हिंदी सहित्योतिहास की आधारभूत सामग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएँ

हिदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

इकाई (ख) आदिकालीन हिंदी साहित्य **15 hours**

आदिकाल : पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ

रासो काव्य : प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य : प्रवृत्तियाँ

नाथ साहित्य : प्रवृत्तियाँ

जैन साहित्य : प्रवृत्तियाँ

अमीर खुसरो की हिंदी कविता

आदिकालीन गद्य साहित्य

इकाई (ग) निर्गुण भक्तिधारा **15 hours**

भक्ति आन्दोलन : उद्‌भव और विकास

हिदी संतकाव्य का दार्शनिक आधार

संतकाव्य ; प्रवृत्तियाँ (कबीर, नानक, दादू, रैदास)

हिंदी सूफी काव्य का दार्शनिक आधार

सूफी काव्य; प्रवृत्तियाँ (कुतुबन, मंझन, जायसी)

इकाई (घ) सगुण भक्तिधारा **15 hours**

रामकाव्य **; प्रवृत्तियाँ**

रामकाव्य के **प्रमुख कवि**

कृष्ण काव्य : प्रवृत्तियाँ

कृष्ण काव्य : **प्रमुख कवि**

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (डॉ.) गणपति चंद्र. "हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास" लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1991.*
- *डॉ. नगेन्द्र (सं) "हिंदी साहित्य का इतिहास" मयूर पेपरबैक्स : नोएडा, चौबीसवाँ संस्करण. 1999.*
- *शुक्ल, रामचंद्र, "हिंदी साहित्य का इतिहास" नागरी प्रचारिणी सभा : वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण. 2006.*
- *चतुर्वेदी, रामस्वरूप "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास" लोकभारती प्रकाशन: इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *मंगललालचंद गुप्त "हिंदी साहित्य का इतिहास" यूनिवर्सिटी बुक सेंटर :कुरुक्षेत्र, द्‌वितीय संस्करण, 1999.*
- *राजे,(डॉ). सुमन ''साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप', साहित्य सदन : कानपुर*
- *राजे,(डॉ). सुमन (1986). 'साहित्येतिहास आदिकाल', साहित्य सदन : क*

Course Title: **भारतीय काव्यशास्त्र**	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD1401	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcomes:

1.छात्र भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम को समझ सकेंगे |

2.छात्र शब्द-शक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

3.छात्र भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे ।

4.भारतीय काव्यशास्त्र अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

Course Content

इकाई(क) **15 hours**

भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय

काव्य का स्वरूप, काव्य का प्रयोजन,काव्य हेतु और काव्य भेद

काव्य गुण, काव्य दोष ,काव्य दोष का अन्तर्दर्शन

इकाई (ख) **15 hours**

शब्द शक्तियाँ :अभिधा शब्द शक्ति, लक्षणा शब्द शक्ति, व्यंजना शब्द शक्ति

अलंकार सिद्धांत :मूल स्थापनाएँ,अलंकार का वर्गीकरण ,अलंकारों का विश्लेषण

इकाई (ग) **15 hours**

रस सिद्धांत : रस का स्वरूप,रस निष्पत्ति,रस के अंग,साधारणीकरण,सहृदय की अवधारणा

रस की मधुमती भूमिका (केशव प्रशाद मिश्र)

रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति एवं शैली,प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई (घ) **15 hours**

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप,प्रमुख स्थापनाएँ,ध्वनि के भेद वक्रोक्ति सिद्धांत :वक्रोक्ति की अवधारणा,वक्रोक्ति के भेद

औचित्य सिद्धांत :प्रमुख स्थापनाएँ और भेद

- **Transaction Mode**

- व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।
- **अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :**

- *माचवे, प्रभाकर (1988)'हिंदी आलोचना अतीत और वर्तमान'हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.*
- *उपाध्याय, विश्वाम्भरनाथ. (2006) भारतीय काव्य शास्त्र. वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- *त्रिपाठी, राममूर्ति. (2005). भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज. राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली.*
- *ती. न. श्रीकंठय्या. (2005). भारतीय काव्य मीमांशा. शब्दकार प्रकाशन , दरियागंज नई दिल्ली.*
- *अग्रवाल, निशा.(2014). भारतीय काव्यशास्त्र. लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *तिवारी, रामचंद्र. (2016). भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा .लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *वर्मा, हरिश्चन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र.हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली. विश्वविद्यालय*
- *देशपाण्डेय, जी. टी. भारतीय साहित्यशास्त्र.राजकमल एंड संस, कश्मीरी गेट दिल्ली.*

- **वेब सर्च**

- *काव्यशास्त्र काव्य की परिभाषा -, प्रकार, अंग, लक्षण एवं गुण | Kavya Shastra in Hindi - ExamTricksAdda*
- *हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *साहित्यालोचन....Saahityaalochan....स)sahityalochan.com)*

Course Title: भक्ति काव्य	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD1402	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcomes

1.छात्रों क तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर, तुलसी,

2.जायसी एवं मीराबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।

3.छात्रों को कबीर, तुलसी, जायसी, महावीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना। हिंदी के भक्ति काव्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त कराना।

4. भारतीय काव्य के स्त्री स्वर का परिचय प्राप्त कराना।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि एवं भक्ति विषयक संवेदना का विकास

कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली.

(केवल पद संख्या 175-200 तक)

इकाई (ख) **15 hours**

मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत - नागमती वियोग खण्ड

इकाई (ग) **15 hours**

सूरदास : सूरसागर सार (सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि. जीरो रोड इलाहाबाद अब वाणी प्रकाशन में विलय)

1.विनय भक्ति के पद -1,2, 21,22,25,29

2. गोकुल लीला पद-7, , 20, 23, 26

3. उद्धव संदेश -41, 44, 53, 68, 69

इकाई (घ) **15 hours**

तुलसीदास : कवितावली(बाल काण्ड)

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2006.*
- *तुलसीदास,रामचरितमानस,गीता प्रेस, गोरखपुर 1995.*
- *जायसी, मालिक मोहम्मद, पद्यावत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1964.*
- *दास,श्याम सुन्दर, कबीर ग्रंथावली, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली 1989.*
- *सिंह, उदयभानु,तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1978.*
- *साही, विजयदेव नारायण,जायसी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद*
- *रघुवंश,जायसी : एक नयी दृष्टि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1994.*
- *वर्मा, धीरेन्द्र, सूरसागर सार, साहित्य भवन, इलाहाबाद,*
- *शुक्ल, रामचंद्र, त्रिवेणी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी*

वेब सर्च

- :*https://www.vyakarangyan.com/2021/12/madhya-kalin-hindi-pramukh-rachnakar.htmlhttps://hi.thpanorama.com/articles/literatura/literaturamedievorge-caractersticas-representantes-y-obras.htmlhttps://ignca.gov.in/coilnet/jaysi012.htm*

Course Title: अनुवाद विज्ञान	**L**	**T**	**P**	**Cr.**
Course Code: MHD1403	**4**	**0**	**0**	**4**

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं व्याप्ति की जानकारी प्राप्त होगी।

2.विधि रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।

3. सामाजिक, सांस्कृतिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे।

4.अनुवाद में आने वाली विभिन्न समस्याएँ तथा उनके समाधान से परिचित हो सकेंगे।

Course Content

भाग (क) **15 hours**

अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र, महत्त्व, प्रक्रिया, अनुवाद और अनुसृजन में अंतर

अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति

अनुवाद में समतुलता का ,अनुवाद की इकाई, शब्द पदबन्ध, वाक्य पदबन्ध

भाग (ख) **15 hours**

अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका

अनुवाद के प्रकार : कार्यलयी, वैज्ञानिकी एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञानं आदि,अनुवाद की समस्याएँ, सृजनात्मक, कार्यलयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिकी अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ.

भाग (ग) **15 hours**

पाठ की अवधारणा और प्रकृति

पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व

भाग (घ) **15 hours**

पाठ : शब्द, प्रति शब्द : शाब्दिक अनुवाद

साहित्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *बोरा, राजकमल (2001) अनुवाद क्या है, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *भाटिया, कैलाश चन्द्र (1998) भारतीय भाषाएँ हिन्दी अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान, नई दिल्ली*
- *आरसु, (2002) साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *धवन, मधु (1997) भाषान्तरण कला, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *गोपीनाथन जी (1989) अनुवाद एवं सिद्धांत प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*

वेब सर्च

- *अनुवाद विज्ञान - डा० भोलानाथ तिवारी द्वारा हिंदी पीडीऍफ़ पुस्तक : विज्ञान-| Anuvad Vigyan : by Dr. Bholanath Tiwari Hindi PDF Book - Science (Vigyan) - 44Books*
- *भाषा विज्ञान और अनुवाद विज्ञान की समस्या साहित्य और संस्कृति -)wordpress.com)*
- *हिंदी साहित्य में अनुवाद की भूमिका | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*

Course Title: Indian Cultural Studies	L	T	P	Cr.
Course Code: IKS0022	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Objective:

Academic study of cultures in India has remained derivative of Western categories, assumptions and ideologies. The proposed course aims at introducing students to distinct Indian ways of cultural expressions and offers pathways to understand self and subjectivity in the context of localism, nationalism and globalism. Conventional cultural studies, predicated on Western intellectual frameworks, cannot adequately capture the complexity and layered nature of Indian history. The course will cover key texts from the late 19th century to understand what constitutes Indian subjectivity, its difference, authenticity and life world, its implications for nationhood and claims of particularism vis-à-vis universalism.

Learning Outcome:

1. **Understanding Modern Indian Thought**: Students will gain a theoretical foundation to explore how Indian philosophical and cultural ideas since the early 20th century have shaped individual and collective experiences.

2. **Analyzing Cultural Transformations**: Learners will investigate the impact of modern Indian thought on personal identity and cultural context, understanding its role in shaping societal values and worldviews.

3. **Developing Conceptual Vocabulary**: Students will become familiar with key ideas and terminologies introduced in the course, enabling them to critically engage with and interpret modern Indian intellectual traditions.

4. **Articulating Personal and Shared Experiences**: Learners will cultivate the ability to express their own and others' experiences using the conceptual and philosophical frameworks discussed in the course.

Course Content

Unit 1 **15 Hours**

Introduction: (Orientalist, colonial and contemporary representation of India)

Unit 2 15 Hours

Indian difference: (Aurobindo, Ramanujan, Bankimchandra, Malhotra and others), Self and subjectivity: (Gandhi, Upadhyay, M.N. Roy, Ashis Nandy, Dharmapal and others)

Unit 3 15 Hours

Home, Nation and the World: (Nehru, Tagore, Ambedkar, Savarkar, Mazumdar, Malaviya and others)

Unit 4 15 Hours

Swaraj: (Lajpat Rai, Gandhi, Tilak, Rajaji, Alvares, Balagangadhar and others), Art and aesthetics: (Coomaraswamy, Hiriyana, Radhakrishnan, Aurobindo, Naipaul, Devy and others)

Transactional Mode

Seminars, Group discussion, Team teaching, Focused group discussion, Assignments, Project-based learning, Simulations, reflection and Self-assessment

Suggested Readings

- *Knut A. Jacobsen. Ed. Modern Indian Culture and Society. Routledge: London, 2009.*
- *Upadhyay, Deendayal. Integral Humanism. 1965. http://www.chitrakoot.org/download/IntegralHumanism.pdf*
- *Savarkar, V.D. The Essentials of Hindutva. http://savarkar.org/en/encyc/2017/5/23/2_12_12_04_essentials_of_hindutva.v001.pdf_1.pdf*

- *Vasudha Dalmia & Rashmi Sadana. Eds. The Cambridge Companion to Modern Indian Culture. Cambridge University Press: Cambridge, 2012.*
- *Alvares, Claude. "A Critique of the Eurocentric Social Science and the Question of Alternatives". Economic and Political Weekly. 46. 22, 2011.*
- *Ambedkar, B.R. Pakistan or the Partition of India. Columbia University:*
- *http://www.columbia.edu/itc/mealac/pritchett/00ambedkar/ambedkar_partition*
- *Balagangadhara,S.N. Reconceptualizing India Studies. Oxford University Press: New Delhi, 2012.*
- *Chatterjee, Partha. Nationalist Thought and the Colonial World: A Derivative Discourse. Zed Books: London,1993.*
- *Chattopadhyay, Bankimchandra. "Is Nationalism a Good Thing?" and "Critics of Hinduism". In Awakening Bharat Mata, ed. Swapan Dasgupta. Penguin: New Delhi, 2019.*
- *Coomaraswamy, A.K. "Indian Nationality". Indian Philosophy in English: From Renaissance to Independence. Oxford University Press: New York, 2011.*
- *Gandhi, M.K. Hind Swaraj. Navjeevan Publishing: Ahmedabad, 1938.*
- *Ghosh, Aurobindo. "A Defence of Indian Culture". The Renaissance in India and other Essays on Indian Culture. Sri Aurobindo Ashram: Pondicherry, 2002.*

Course Title: हिन्दी कथा साहित्य	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD1405	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक साहित्यिक परिस्थितियों की का विधात्मक परिचय होगा।

2.हिंदी कथा-साहित्य का तात्त्विक परिचय होगा ।

3. कहानी और उपन्यास के विकास-क्रम की जानकारी होगी ।

4.कथा साहित्य के आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

कहानी:स्वरूप,विश्लेषण,विकास का भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य

1.उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी

2.ठाकुर का कुआँ-प्रेमचन्द

इकाई (ख) **15 hours**

आधुनिक हिंदी कहानी: स्वरुप एवं विश्लेषण

1.पाजेब- जैनेन्द्र

2. राजा निरबंसिया-कमलेश्वर

3.सिक्का बदल गया-कृष्णा सोबती

4. आभी-एस. आर. हरनोट

5. सलाम-ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई (ग) **15 hours**

हिंदी उपन्यास :स्वरुप विश्लेषण और विकास यात्रा

मैला आँचल-फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई (घ) **15 hours**

आधुनिक हिंदी उपन्यास

बाणभट्ट की आत्मकथा-हजारी प्रसाद द्विवेदी

रागदरबारी-श्रीलाल शुक्ल

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *मदान, इन्द्रनाथ, हिंदी कहानी : पहचान और परख, लोकभारती प्रकाशन : दिल्ली. 1998*
- *कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका, अक्षर प्रकाशन : दिल्ली. 2019*
- *श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, राजकमल प्रकाशन : दिल्ली, 2004.*
- *शर्मा, जगन्नाथ प्रसाद, कहानी का रचना-विधान, राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली. 2002*
- *सिंह, नामवर, कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन : दिल्ली. 2005*
- *गुप्त शम्भू, कहानी, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली, 2016.*
- *चौधरी, सुरेन्द्र, कहानी की रचना प्रक्रिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994.*
- *यादव, राजेन्द्र. सम्पादक-भूमिका एक दुनिया समानान्तर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.*
- *मिश्र, रामदरश, हिंदी उपन्यास :विकास यात्रा*
- *राय, गोपाल, हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *सिंह, पुष्पपाल, इक्कीसवीं सदी का हिंदी उपन्यास,*
- *सिंह, मधुरेश, हिंदी उपन्यास का विकास,*
- **वेब सर्च :**
- https://hindishri.com/hindi-sahitya-ki-kahaniya/
- https://www.iasbook.com/hindi/hindi-katha-sahitya/

\

Course Title: Riti Kavya	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD1406	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.युगीन परिस्थितियों सामाजिक,राजनैतिक,धार्मिक साहित्यिक और आर्थिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण का ज्ञान होगा।

2.रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, आधुनिक काल, भारतेन्दु, द्विवेदी युग, छायावादी युग साहित्य के प्रभाव से छात्र अवगत हो सकेंगे।

3.छात्र आधुनिकीकरण की प्रक्रिया, भारतीय नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, जनवाद, दलित चिन्तन, स्त्री चिन्तन आदि से परिचित होंगे।

4.हिंदी पत्रकारिता एवं उसके विकास की प्रक्रिया से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

1. रीतिकाल :सामाजिक,सांस्कृतिक एवं कलात्मक परिप्रेक्ष्य
2. रीतिकाल का नामकरण
3. भक्तिकाल से रीति में संक्रमण के घटक तत्त्व
4. रीति काव्य का विकास और कविता में शिल्प का बढ़ता हुआ आग्रह |
5. दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थ परम्परा
6. रीतिकवियों का आचार्यत्व
7. रीतिकाल के प्रमुख कवि बिहारी,भूषण,देव,पद्माकर,मतिराम, घनानन्द

इकाई (ख) **15 hours**

1. रीतिकाव्य में लोकजीवन
2. रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
3. रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
4. रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
5. रीतिकालीन वीर काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
6. रीतिकालीन नीति काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ

इकाई (ग) **15 hours**

1 बिहारी(सतसई)(1 से 15)

2 मतिराम(ललित ललाम) (प्रारम्भिक 10)

भाग (घ) **15 hours**

3 भूषण (शिवा बावनी)1 - 5 , 34, 43, 44

4 घनानंद (कवित्त) 1,3 ,7 ,10 ,12 , 14 , 23 ,24

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह-चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (.डॉ),गणपति चंद्र हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम् संस्करण, 1999.*
- *सिंह, बच्चन (2008) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास , राधाकृष्ण प्रकाशन: नई दिल्ली.*
- *नगेंद्र ((डॉ.)सं, हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, नोएड़ा, चौबीसवाँ संकरण, 1997*
- *फ्रेंक ई. के, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वाराणसी : लोकायत प्रकाशन. वाराणसी*
- *शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण, 2056*
- *चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *गुप्त, मंगल लालचंद, हिंदी साहित्य का इतिहास, यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999.*
- *शर्मा, जगन्नाथप्रसाद, हिंदी की गद्य शैली का विकास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी*
- वेब सर्च :
- *https://hindishri.com/ritikal-ka-namkaran-vibhajan-pravartak/*
- *https://hindishri.com/ritibadh-kavi-aur-rachnaye-part-1/*
- *https://hindishri.com/aadhunik-kaal-aur-bharatendu-harishchandra/*
- *https://hindishri.com/chhayavaad-aur-jaishankar-prasad-unki-rachnaye/*

Semester II

Course Title: **हिन्दी साहित्य का इतिहास; उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक**	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2450	**4**	**0**	**0**	**4**

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.युगीन परिस्थितियों सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक साहित्यिक और आर्थिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण का ज्ञान होगा।

2.रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, आधुनिक काल, भारतेन्दु, द्विवेदी युग, छायावादी युग साहित्य के प्रभाव से छात्र अवगत हो सकेंगे।

3. छात्र आधुनिकीकरण की प्रक्रिया, भारतीय नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, जनवाद दलित चिन्तन, स्त्री चिन्तन आदि से परिचित होंगे।

4. हिंदी पत्रकारिता एवं उसके विकास की प्रक्रिया से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

1. रीतिकाल :सामाजिक,सांस्कृतिक एवं कलात्मक परिप्रेक्ष्य
2. रीतिकाल का नामकरण
3. भक्तिकाल से रीति में संक्रमण के घटक तत्त्व
4. रीति काव्य का विकास और कविता में शिल्प का बढ़ता हुआ आग्रह |
5. दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थ परम्परा
6. रीतिकवियों का आचार्यत्व
7. रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव,बिहारी,भूषण,देव,पद्माकर,मतिराम, घनानन्द,आलम

इकाई (ख) **13 hours**

1. रीतिकाव्य में लोकजीवन
2. रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
3. रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
4. रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
5. रीतिकालीन वीर काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ

6. रीतिकालीन नीति काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ

इकाई (ग) **17 hours**

1. आधुनिकता की अवधारणा,विकास और भारतीय नवजागरण
2. भारतेन्दु और उनका काव्य
3. भारतेन्दु और उनका मण्डल
4. द्विवेदी युगीन काव्य और सामान्य प्रवृतियाँ
5. राष्ट्रीय काव्यधारा :प्रमुख कवि और काव्य
6. छायावादी काव्य :(प्रसाद,पंत, निराला,महादेवी वर्मा) सामान्य प्रवृतियाँ
7. प्रगतिवादी काव्य :परम्परा और प्रवृतियाँ
8. प्रयोगवाद :कवि और काव्य
9. जनवादी काव्य
10. दलित और स्त्री स्वर

भाग (घ) **15 hours**

1. हिंदी पत्रकारिता :उद्भव और विकास
2. हिंदी नाटक :उद्भव और विकास
3. हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास
4. उपन्यास, निबंध, आलोचना, रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य, लोक साहित्य, डायरी : उद्भव और विकास
5. रिपोर्ताज : उद्भव और विकास

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह-चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (.डॉ),गणपति चंद्र हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम् संस्करण, 1999.*
- *सिंह, बच्चन (2008) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास , राधाकृष्ण प्रकाशन: नई दिल्ली. नगेंद्र ((डॉ.)सं, हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, नोएड़ा, चौबीसवाँ संकरण, 1997*
- *फ्रेंक ई. के, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वाराणसी : लोकायत प्रकाशन. वाराणसी*

- *शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण, 2056*
- *चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *गुप्त, मंगल लालचंद, हिंदी साहित्य का इतिहास, यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999.*
- *शर्मा, जगन्नाथप्रसाद, हिंदी की गद्य शैली का विकास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी*
- वेब सर्च :
- *https://hindishri.com/ritikal-ka-namkaran-vibhajan-pravartak/*
- *https://hindishri.com/ritibadh-kavi-aur-rachnaye-part-1/*
- *https://hindishri.com/aadhunik-kaal-aur-bharatendu-harishchandra/*
- *https://hindishri.com/chhayavaad-aur-jaishankar-prasad-unki-rachnaye/*

Course Title: भाषा विज्ञान	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2451	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों एवं विभिन्न शाखाओं एवं हिंदी के विविध रूपों का परिचय प्राप्त होगा।

2.हिंदी के ध्वन्यात्मक वैशिष्ट्य का परिचय प्राप्त होगा।

3.स्वनों का गंभीर विश्लेषण संभव होगा।

4.भाषा में अर्थ के अनेक स्तरों का परिचय होगा।

Course Content

इकाई (क) **17 hours**

भाषा और भाषा विज्ञान :

भाषा का अर्थ, स्वरूप और परिभाषा

भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य

भाषा विज्ञान : स्वरूप, परिभाषा

भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ, वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक आदि

साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

भारोपीय परिवार : महत्त्व एवं शाखाएं

इकाई (ख) **13 hours**

स्वन विज्ञान :

स्वन विज्ञान का स्वरूप, अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण और परिवर्तन

स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिमि की अवधारणा

स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण

इकाई (ग) **18 hours**

ध्वनि विज्ञान :

ध्वनियों का वर्गीकरण एवं ध्वनि परिवर्तन के कारण

ध्वनि तंत्र , ध्वनि नियम, ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, बर्नर नियम।

इकाई (घ) **12 hours**

वाक्य विज्ञान :

अर्थ परिवर्त्तन

अर्थ परिवर्त्तन की दिशाएँ, प्रकार

अर्थपरिवर्त्तन के कारण।

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *तिवारी भोलनाथ . **हिंदी भाषा**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1966.*
- *तिवारी भोलनाथ.**भाषा विज्ञान**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951.*
- *शास्त्री रामचंद्र वर्मा एवं डॉ. माया अग्रवाल, **भाषा-विज्ञान एवं हिंदी भाषा**, अनीता प्रकाशन, दिल्ली, 1994.*
- *द्विवेदी, कपिल देव, भाषा और भाषा विज्ञान, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी*
- *बाहरी हरदेव.**हिंदी : उद्भव, विकास और रूप**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1965.*
- *सिंह, हरदेव. **अर्थ विज्ञान**. मैकमिलन प्रा. लि. : दरियागंज , नई दिल्ली.*

Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2452	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes:

1.छात्रों को आधुनिकता एवं आधुनिक का काव्य प्रवृतियों का परिचय प्राप्त होगा।

2.छात्रों को छायावादी काव्य के अध्ययन से भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन उसकी, प्रतिच्छाया एवं भावों के सूक्ष्म विश्लेष्ण का ज्ञान प्राप्त होगा।

3.छायावादीहिंदी कविता के भावात्मक उत्कर्ष एवंकाव्य भाषा की उपलब्धियों का ज्ञान होगा।

4.हिंदी कविता के विविध भावधारा के उत्सबिंदु एवं गीत -नवगीतका परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

इकाई (क)) **15 hours**

भारतेन्दु हरिश्चंद्र ; यमुना शोभा

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग), व्याख्या/अंतर्वस्तु

राष्ट्रीय भावधारा का विकास और मैथिलीशरण गुप्त

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध : प्रिय प्रवास(प्रथम सर्ग),व्याख्या/अंतर्वस्तु

इकाई (ख) **16 hours**

जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिन्ता सर्ग) व्याख्या/अंतर्वस्तु

सुमित्रानंदन पन्त : नौका विहार और परिवर्तन : व्याख्या/अंतर्वस्तु

इकाई (ग) **14 hours**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :राम की शक्ति पूजा,,व्याख्या/अंतर्वस्तु

इकाई (घ) **15 hours**

अनुभूति की सान्द्रता और महादेवी के गीत - बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, कौन तुम मेरे हृदय में, विरह का जलजात जीवन, ज्योतिष्मती (सप्तपर्णा से) बोध, आज यज्ञशाला का खोलो द्वार, अभय

रामधारी सिंह दिनकर :सौन्दर्य एवं पराक्रम के कवि, कुरुक्षेत्र -छठा सर्ग

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *मुक्तिबोध, गजानन माधव, कामायनी : एक पुनर्विचा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *नगेन्द्र, साकेत : एक अध्ययन, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस : दिल्ली 1998.*
- *शर्मा, रामविलास निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1989.*
- *शर्मा, हरीश, कामायनी कोश, अमित प्रकाशन, कविनगर गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश*
- *सिंह, दूधनाथ, निराला : एक आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद 2002.*
- *शर्मा, कमलेश, पद्मसिंह, निराला , राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली 1998.*
- *सिंह, बैजनाथ, नई कविता का इतिहास, संजय प्रकाशन : दिल्ली 1977.*
- *सिंह, रामलाल, कामायनी अनुशीलन, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद, 1958.*

वेब सर्च :

- *आधुनिक हिन्दी कविता का विकास | आधुनिक हिन्दी कविता प्रवृत्तियां/विशेषताएँ (sarkariguider.in)*
- *जयशंकर प्रसाद की कामायनी | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *छायावाद अर्थ :, परिभाषा व प्रवृत्तियां)Chhayavad : Arth, Paribhasha V Pravrittiyan) (dccp.co.in)*

Course Title: **सृजनात्मक लेखन**	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2453	**4**	**0**	**0**	**4**

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.छात्र सृजनात्मक लेखन की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।

2.छात्र कविता के स्वरूप में सृजन प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।

3.छात्र कथा साहित्य के स्वरूप एवं कहानी, उपन्यास, लघुकथा आदि की रचना प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।

4.छात्र रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, नाटक आदि की रचना-प्रक्रिया एवं प्रस्तुतिकरण से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

सृजनात्मक लेखन स्वरूप और सिद्धांत

विभिन्न साहित्यिक विधाओं में सृजनात्मक लेखन (गद्य और पद्य रूप)

काव्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य)

कथात्मक गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (कहानी, लघुकथा, उपन्यास)

अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय ,जीवनी, आत्मकथा, नाटक, निबंध, रिपोर्ताज) (रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, डायरी, व्यंग्य

इकाई (ख) **15 hours**

छंद ; परिचय एवं दर्शन

तुकांत एवं अतुकांत कविता

कविता की रचना प्रक्रिया

पटकथा लेखन एवं रंग सज्जा

इकाई (ग) **16 hours**

सैद्धांतिक स्वरुप :

कथा साहित्य के विभिन्न विधाएँ सैद्धांतिक :स्वरूप(कहानी, लघुकथा, उपन्यास)

कहानी व लघुकथा लेखन : सिद्धांत एवं स्वरूप ,लघु कथा आन्दोलन

उपन्यास लेखन : पश्चिमी एवं भारतीय दृष्टि

इकाई (घ) **14 hours**

साहित्य की विभिन्न विधाओं का सैद्धांतिक स्वररूप :

नाट्य लेखन

निबंध लेखन

जीवनी एवं आत्मकथा लेखन

रिपोर्ताज़ लेखन

रेखाचित्र और संस्मरण लेखन

व्यंग्य लेखन

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गौतम, रमेश, रचनात्मक लेखन, 2008, प्रथम संस्करण, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *अरोड़ा, हरीश, सृजनात्मक लेखन, 2014, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली*
- *आचार्य नंदकिशोर, साहित्य का उद्देश्य, सूर्य प्रकाश, बीकानेर*
- *जगूड़ी, लीलाधर, रचना प्रक्रिया से जूझते हुए, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
- *त्रिपाठी, विश्वनाथ, देश के इस दौर में, 2000, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *वर्मा, निर्मल, कला के जोखिम, 1981, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *मिश्र, विद्यानिवास, साहित्य के सरोकार, 2007, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *प्रसाद, श्री विश्वनाथ, रचना के सरोकार, 1987, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *शुक्ल, रामचंद्र, चिंतामणि, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2012*
- *सिंह, राकेश कुमार (संपादक), समकालीन गीत का आत्म संघर्ष, युगांतर प्रकाशन : नई दिल्ली*

Course Title: सृजनात्मक लेखन (Practical)	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2454	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.छात्र सृजनात्मक लेखन की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।

2.छात्र कविता के स्वरूप में सृजन प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।

3.छात्र कथा साहित्य के स्वरूप एवं कहानी, उपन्यास, लघुकथा आदि की रचना प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।

4.छात्र रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, नाटक आदि की रचना-प्रक्रिया एवं प्रस्तुतिकरण से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

सृजनात्मक लेखन स्वरूप और सिद्धांत

विभिन्न साहित्यिक विधाओं में सृजनात्मक लेखन (गद्य और पद्य रूप)

काव्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य)

कथात्मक गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (कहानी, लघुकथा, उपन्यास)

अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय ,जीवनी, आत्मकथा, नाटक, निबंध, रिपोर्ताज) (रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, डायरी, व्यंग्य

इकाई (ख) **15 hours**

छंद ; परिचय एवं दर्शन

तुकांत एवं अतुकांत कविता

कविता की रचना प्रक्रिया

पटकथा लेखन एवं रंग सज्जा

इकाई (ग) **16 hours**

सैद्धांतिक स्वरुप :

कथा साहित्य के विभिन्न विधाएँ सैद्धांतिक :स्वरूप(कहानी, लघुकथा, उपन्यास)

कहानी व लघुकथा लेखन : सिद्धांत एवं स्वरूप ,लघु कथा आन्दोलन

उपन्यास लेखन : पश्चिमी एवं भारतीय दृष्टि

इकाई (घ) **14 hours**

साहित्य की विभिन्न विधाओं का सैद्धांतिक स्वररूप :

नाट्य लेखन

निबंध लेखन

जीवनी एवं आत्मकथा लेखन

रिपोर्ताज़ लेखन

रेखाचित्र और संस्मरण लेखन

व्यंग्य लेखन

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गौतम, रमेश, रचनात्मक लेखन, 2008, प्रथम संस्करण, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *अरोड़ा, हरीश, सृजनात्मक लेखन, 2014, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली*
- *आचार्य नंदकिशोर, साहित्य का उद्देश्य, सूर्य प्रकाश, बीकानेर*
- *जगूड़ी, लीलाधर, रचना प्रक्रिया से जूझते हुए, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
- *त्रिपाठी, विश्वनाथ, देश के इस दौर में, 2000, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *वर्मा, निर्मल, कला के जोखिम, 1981, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *मिश्र, विद्यानिवास, साहित्य के सरोकार, 2007, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *प्रसाद, श्री विश्वनाथ, रचना के सरोकार, 1987, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *शुक्ल, रामचंद्र, चिंतामणि, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2012*
- *सिंह, राकेश कुमार (संपादक), समकालीन गीत का आत्म संघर्ष, युगांतर प्रकाशन : नई दिल्ली*

Course Title: पंजाब का हिन्दी साहित्य (Discipline Elective (	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2455	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.छात्र साहित्यकार के रूप में भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती के साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित होंगे।

2.युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती की काव्य कृतियों के मर्म को जान सकेंगे।

3.निर्धारित प्रमुख रचनाओं के सूक्षम अध्ययन तथा अन्य कृतियों के सामान्य अध्ययन के माध्यम से कवि की काव्यकला को समझ सकेंगे।

4.छात्रों में साहित्यकारों की निर्धारित रचनाओं के आस्वादन की तथा मूल्यांकन की दृष्टि बढ़ेगी।

Course Content

इकाई (क) **16 hours**

पंजाब की हिंदी कविता : पृष्ठभूमि, परम्परा और विकास

गुरु तेग बहादुर वाणी - संपादक गुरुदेव कौर व जी.एस. आनंद, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला प्रकाशन

इकाई (ख) **14 hours**

नीति उपदेश के दोहे-श्रद्धाराम फिल्लौरी

इकाई (ग) **16 hours**

पंजाब के हिन्दी लेखकों की कहानी : पृष्ठभूमि, परम्परा और विकास

धरती गाती है-देवेन्द्र सत्यार्थी

तारीख का इंतज़ार-पुष्पपाल सिंह

घरौंदे से दूर-सैली बलजीत

इकाई (घ) **14 hours**

पंजाब के हिंदी लेखकों के उपन्यास: पृष्ठभूमि, परम्परा और विकास

मन्नू भंडारी (आपका बंटी)

कृष्णा सोबती (जिंदगीनामा)

Transaction Mode:

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *वाली, चंद्रकांत (1968)* ***पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास****, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *द्विवेदी, विवेक (1999)* ***भीष्म साहनी****, उपन्यास साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *रस्तोगी, गिरीश (2001)* ***मोहन राकेश और उनके नाटक****. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *बाठ, सुखविंदर कौर (1989)* ***गुरु तेग बहादुर : सन्दर्भ और विश्लेषण****, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला*
- *सिंह, महीप (1998)* ***गुरु गोविन्द सिंह और उनकी कविता****, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद अग्रवाल, वीणा (2003)* ***गुरु गोविन्द सिंह : समाज और सौन्दर्य****, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *कभी नहीं सोचा था - सुरजीत पातर, सारांश प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन समूह, दरियागंज नई दिल्ली*
- *राकेशरेणु (सं) (2021) सोबती की सोहबत में. प्रकाशन विभाग : नई दिल्ली.*
- *सिह, राकेश कुमार (सं 2023) कृष्णा सोबती. आधार प्रकाशन : पंचकूला*
- *बेदी, हरमोहिंदर सिंह, पंजाब का हिंदी साहित्य , गुरु नानक देव विश्वविद्यालय*
- *राजपाल, हुकुमचन्द, पंजाब की हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाश, इलाहाबाद*
- वेब सर्च :
- *https://hi.wikipedia.org*
- *https://www.inextlive.com/bihar/patna/punjab-contribution-to-hindi-literature-133534*
- *https://www.hindwi.org/kavita/kabhi-nahin-socha-tha-surjit-patar-kavita https://www.pustak.org/index.php/books/bookdetails/8688/Zindaginama*

Course Title: **मोहन राकेश (विशेष अध्ययन)** (Discipline Elective.	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD2456	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcome:

1.छात्रों को नाटकों के विकसित चरण का ज्ञान होगा।

2.छात्रों को यांत्रिकता के दबाव में टूटते पारिवारिक संबंधों का परिचय प्राप्त होगा।

3.छात्रों को मोहन राकेश की व्यापक अनुभूतियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

4.छात्रो को मोहन राकेश की कहानियों का परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

मोहन राकेश व्यक्तित्व और कृतित्व

मोहन राकेश के नाटकों का परिचय

मोहन राकेश के उपन्यासों का परिचय

मोहन राकेश की कहानियों का परिचय

हिंदी साहित्य में मोहन राकेश का योगदान

भाग (ख) मोहन राकेश के नाटक **15 hours**

आषाढ़ का एक दिन

भाग (ग) मोहन राकेश के उपन्यास **15 hours**

अँधेरे बंद कमरे

भाग (घ) मोहन राकेश की कहानियाँ **15 hours**

मोहन राकेश की चयनित कहानियाँ

जख्म, अंतराल, मलबे का मालिक, सीमाएँ, जीनियस, परमात्मा का कुत्ता, फौलाद का आकाश, वारिस, जानवर और जानवर।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *डॉ. रघुवंश, नाट्यकला : राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली 2001*

- *जैन, नेमिचंद (2002) राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.*
- *अग्रवाल, कुवरजी (1989) रंगमंच. राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली.*
- *चातक, गोविन्द (2001) नाटक की साहित्यिक संरचना. राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली*
- *जैन, नेमिचंद (1998) नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार और रंगमंच, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली.*
- *चातक, गोविन्द (1997) मोहन राकेश -आधुनिक हिंदी नाटक का मसीहा. लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*

वेब सर्च :

- *https://jivanihindi.com/mohan-rakesh/*
- *https://zedhindi.com/mohan-rakesh-biography-in-*
- https://www.hindisamay.com/content/481/1/%E0%A4%AE%E0%A5%

Semester III

Course Title: Hindi Stri lekhn evam dalit sahity	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3500	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनैतिक, साहित्यिक, साहित्यिक स्थितियों की कथा साहित्य के सन्दर्भ में जानकारी होगी ।

2.हिंदी कथा साहित्य का विधात्मक परिचय होगा ।कहानी और उपन्यास के विकास क्रम कीहोगी ।

3.उपन्यास, कहानी के तात्विक स्वरूप, विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में कथा साहित्य के आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्याङ्कन की क्षमता बढ़ेगी ।

Course Content

इकाई (क) स्त्री विमर्श- **15 hours**

परिभाषा एवं स्वरूप

परम्परा और विकास

महत्त्व और विशेषताएँ

इकाई (ख) प्रमुख स्त्री विमर्श की रचनाएँ **15 hours**

मीराबाई पदावली -प्रथम 15 पद

(सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन प्रयाग, रामबाग प्रयाग)

शृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा

(लोकभारती प्रकाशन, सिविल लाइंस, इलाहाबाद)

कठगुलाब - मृदला गर्ग

(भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई(ग) दलित विमर्श **15 Hours**

परिभाषा और स्वरुप

परम्परा और विकास

महत्त्व और विशेषताएं

इकाई **15 hours**

प्रमुख दलित रचनाएँ

झुण्ड-शरणकुमार लिम्बाले वह लड़की-सुशीला टाकभौरे कहानियाँ

अम्मा-ओमप्रकाश..वाल्मीकि

हक्वाई-एस.आर.हरनोट

आत्मकथा: मुर्दहिया-तुलसीरा

दोहरा अभिशाप-कौशल्या वैशम्ब

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य पुन्नी सिंह,कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा,प्रकाशक-वाणी प्रकाशक, दिल्ली 2008*
- *लिंबाले, शरण कुमार, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2012*
- *दलित चेतना की कहानियाँ: बदलती परिभाषाएँ, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2018*
- *पालीवाल, कृष्णदत्त, दलित साहित्य बुनियादी सरोकार, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2012*
- *खेतान,प्रभा(अनुवाद)स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउआर, सरस्वती प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली2008.*
- *निवेदिता मेनन,औरत की निगाह से,राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं .2021.*
- *शर्मा, नासिरा,औरत के लिए औरत, सामयिक प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं.2010.*
- *यादव, राजेन्द्र, आदमी की निगाह में औरत,राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं. 2010*
- *मेरी वोल्सटन क्राफ्ट,स्त्री अधिकारों का औचित्य, राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं. 2014*
- *गुप्ता, उर्मिला, स्वातंत्रोयोत्तर कथा लेखिकाएँ, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली 2008*
- *अग्रवाल, रोहिणी, स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.*

Course Title: Aalochna	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3501	4	0	0	4

Total Hours: 60

Learning outcomes

(1)छात्रों को हिंदी आलोचना के बदलते स्वरूप का अनुभव होगा

(2)छात्रों को अन्य अनुशासनों से साहित्य की अनुक्रिया का बोध होगा।

(3)छात्रों को मध्यवर्ग के दंश एवं व्यक्तिवाद के स्वरूप का ज्ञान होगा।

(4)छात्र को कविता के क्रमिक विकास एवं संवेदनात्मक विकाश का बोध होगा,

Course Content

इकाई अ(क) प्रगतिवाद ,प्रयोगवाद, **15 Hours**

(ख) नई कविता बनाम नकेनवाद **15 Hours**

(ग)गीत आंदोलन:स्वरूप एवं अवस्थिति **15 Hours**

नवगीत ,जन गीत एवं समकालीन गीत ,

(घ) उत्तर आधुनिकता एवं अनियंत्रण सिद्धांत, प्रकृति सिद्धांत या वाद **15 Hours**

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य पुन्नी सिंह,कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा,प्रकाशक-वाणी प्रकाशक, दिल्ली 2008*
- *लिंबाले, शरण कुमार, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2012*
- *दलित चेतना की कहानियाँ: बदलती परिभाषाएँ, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2018*
- *पालीवाल, कृष्णदत्त, दलित साहित्य बुनियादी सरोकार, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2012*

- *खेतान,प्रभा(अनुवाद)स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउआर, सरस्वती प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली2008.*
- *निवेदिता मेनन,औरत की निगाह से,राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं .2021*

Course Title: कोश विज्ञान	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3502	0	0	4	2

Total Hours 30

Course Learning Outcomes:

1.छात्रों को विभिन्न साहित्यिक पुस्तकों के अध्ययन में सहायता मिलेगी |

2. हिन्दी भाषा लेखन ज्ञान में वृद्धि होगी |

3.छात्र हिन्दी कोश के विभिन्न पहलुओं से परिचित होंगे तथा रोजगारोन्मुख होंगे |

4.छात्रों की सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा

Course Content

इकाई (क) **8 hours**

कोश का अर्थ और आयाम ,आवश्यकता एवं महत्व स्वरूप, विकास एवं परम्परा कोश का वर्गीकरण एवं वर्गीकरण का आधार

विविध प्रकार के कोश-उपभाषा, परिभाषा, समांतर, कथा कोश, उच्चारण ,लोकोक्ति, मुहावरा ,साहित्य कम्प्यूटर कोश

इकाई (ख) **7 hours**

वैदिक कोश, निघंटू एवं निरुक्त, परवर्ती वैदिक कोश एवं उनका स्वरूप

अनुवाद में कोश की उपयोगिता आधुनिक कोश : स्वरूप एवं प्राचीन कोश से भिन्नता

प्रशासनिक कोश

अन्य पारिभाषिक कोश

Transaction Mode:

ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा,

मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए पुस्तकें :

गवेषणा (पत्रिका) - कोश विज्ञान विशेषांक, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा

वर्मा, (डॉ.) देवेन्द्र, कोश विज्ञान, विश्वभारती प्रकाशन, 2023.

गुप्ता, विक्रम/ दर्शन पाण्डेय, कोश विज्ञान : शब्द कोश और विश्व कोश, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली,2018

शर्मा, महामहोपाध्याय पण्डित रामावतार, वाड़मयार्णव, ज्ञानमंडल लि., कबीर्चोरा, वाराणसी

रसिकेश, रामस्वरूप, आदर्श हिंदी संस्कृत कोश(भूमिका भाग), चौखम्बा प्रकाशन, कचौरी गली, वाराणसी, 2007.

Course Title: Premchand Vishesh Adhyayan(Discipline Elective)	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3503	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

विशेष साहित्यकार के रूप में छात्र प्रेमचंद के साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित होंगे।

कहानीकार के रूप में प्रेमचंद के अवदान से परिचित होंगे।

प्रेमचन्द की आदर्शोन्मुखी यथार्थ दृष्टि से परिचित होगे।

प्रेमचंद के कलात्मक उत्कर्ष एवं यथार्थवादी दृष्टि से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

प्रेमचन्द : परिचय एवं परिवेश, प्रेमचंद का जीवन दर्शन

आदर्शोन्मखी यथार्थवाद और प्रेमचंद की नारी भावना

प्रेमचंद की संपादन कला, हिंदी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचंद का योगदान

इकाई (ख) **15 hours**

प्रेमचंद की चयनित कहानियाँ (पञ्च परमेश्वर,ठाकुर का कुआं,बूढ़ी काकी,पूस की रात,बड़े घर की बेटी,कफन, जुलूस, ईदगाह, इस्तीफा, इज्जत का खून,नशा, कातिल, मैकू, दंड, बड़े भाई साहब आदि.

इकाई (ग) **15 hour**

उपन्यास - निर्मला

नाटक-कर्बला

इकाई (घ) **13 hours**

प्रमचन्द के वैचारिक निबंध

स्वदेशी आन्दोलन

हिन्दू सभ्यता और लोकहित

भारतेंदु बाबू हरिश्चन्द्र

कालिदास की कविता

पुराना ज़माना: नया ज़माना

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *मदान, इन्द्रनाथ, प्रेमचंद : चिंतन और कला, सरस्वती प्रेस, बनारस. **1961***
- *रहबर, हंसराज, प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली. **1962**सिन्हा, इंद्रमोहन कुमार, प्रेमचन्दयुगीन भारतीय समाज, बिहारी हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना **1974***
- *शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली **1981***
- *धर्मेन्द्र, गुप्त, समकालीन जीवन सन्दर्भ और प्रेमचंद, पीयूष प्रकाशन : नई दिल्ली **1988*** वेब सर्च
- *मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय कहानियाँ), उपन्यास, व्यक्तित्व और जीवन परिचय) (zedhindi.com)*
- *मुंशी प्रेमचंद जीवन परिचय -, रचनाएं और भाषा शैली, Premchand (mycoaching.in)*
- *सेवासदन) विकिपीडिया -wikipedia.org)*

Course Title: : (नाटक और निबंध)	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3504	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1. छात्र भारतीय नाट्य _परम्परा एवं उसके अवदान आदि से परिचित होंगे।

2. छात्र इस तथ्य से अवगत होने कि भारतीय नाटक काव्य चिंतन के केंद्र में रहा है।

(3) छात्र हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास के साथ-साथ उसके वास्तविक स्वरूप से अवगत होगें।

4. छात्र हिंदी निबंध के विविध रूपों के साथ-साथ उसकी परिणति से भी अवगत होंगे।

Course Content

इकाई (क) **16 Hour**

1.भारतीय काव्य _चिंतन के आदिस्रोत और नाटक,नाटक का अर्थ,भेद,स्वरूप विकास, रंगमंच :भारतीय एवं पाश्चात्य ।

2.हिन्दी नाटकों की रंगमंचीय विशेषताएं एवं विकास _यात्रा ।

इकाई (ख) **14 Hour**

1. नाटककार के रूप में भारतेंदु हरिश्चंद्र के अवदान ।

2. भारत दुर्दशा : कथ्य एवं शिल्प, व्याख्या, मूल्य और मूल्यांकन

3. स्कन्द गुप्त : जयशंकर गुप्त : वस्तु एवं विश्लेषण ।

इकाई (ग) **14 Hours**

1. निबंध : अर्थ, स्वरूप एवं विकास ।

2 व्यक्ति व्यंजक (ललित) निबंध : स्वरूप _विश्लेषण ।

3. ललित निबंध: प्रारम्भ से परिणति तक ।

इकाई (घ) **16 hour**

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : कविता क्या है ?: व्याख्या एवं विश्लेषण ।

2. पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी : कुटज: व्याख्या एवं विश्लेषण ।

3. रामविलास शर्मा : सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास: व्याख्या एवं विश्लेषसहायक उपयोगी पुस्तकें

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची

- संस्कृत नाटक कोश: रामसागर त्रिपाठी,चौखंभा प्रकाशन,वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- संस्कृत साहित्य का बृहत इतिहास (भरत मुनि) :संपादक डॉ. बलदेव उपाध्याय ,उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- 3संस्कृत नाटक (उत्पत्ति एवं विकास : सिद्धान्त एवं प्रयोग): ए. बी. कीथ, मोती लाल बनारसी दास, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
- हिन्दी नाटक :उद्भव और विकास: दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली. 5. भारतीय काव्य शास्त्र की आचार्य परम्परा : राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
- भारत _दुर्दशा -(भारतेन्दु हरिश्चन्द्र) : सिद्धनाथ कुमार ,अनुपम प्रकाशन, पटना (पटना साइंस कॉलेज के सामने),बिहार।
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीयअध्ययन:जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा कशी, वाराणसी
- स्कन्दगुप्त : मूल्यांकन: सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना साइंस कॉलेज के सामने, बिहार।चिंतामणि: रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस इलाहाबाद
- आस्था और सौंदर्य: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।. हिन्दी निबंध और निबंधकार : रामचंद्र तिवारी ,विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- हजारी प्रसाद द्विवेदी विशेषांक 'हिन्दुस्तानी एकेडमी पत्रिका , प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- 'आलोचना' का रामविलास शर्मा विशेषांक, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली
- 14. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली-

Course Title: Aadunik kavya (part 2)	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3505	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcomes

1.शक्षिणिक वातावरण के निर्माण में सहायता के साथ-साथ परिस्थति विशेषके कारण शिक्षा से वंचित जन को

2. शिक्षित बनने में सहायता प्राप्त होगी।भाषा के प्रति सामान्य जन में रूचि पैदा होगी।

3.भाषा कौशल, अभिव्यक्ति कौशल एवं हिंदी से जुड़े आजीविका के साधनों से सामान्य जन परिचित होंगे।

4.सामान्य जन में शिक्षा का प्रसार कर प्रदूषणएवं पर्यावरण के संरक्षण में उनका योग प्राप्त हो सकता है।

Course Content

इकाई (क) **17 hours**

शैक्षणिक गतिविधियों में हिंदी भाषा के प्रचार -प्रसार के लिए काम करना.

हिंदीतर भाषियों में सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना.

जिन छात्रों ने किन्हीं कारणों से विद्यालय छोड़ दिया किन्तु भाषा में तीव्र अभिरुचि है उन्हें हिंदी भाषा में समुचित प्रशिक्षण कि व्यवस्था करना.

इकाई (ख) **16 hours**

हिन्दी भाषा से अपरिचित, किंतु सीखने को उत्सुक जनसमुदाय के मध्य हिन्दी भाषा शिक्षण शिविर का आयोजन

नुक्कड़ नाटक, नाटक एवं कार्यशालाओं के माध्यम से जन समुदाय की भाषिक चेतना का विकास.

विभिन्न जन समुदाय के मध्य हिन्दी के प्रति अभिरुचि पैदा करना तथा उसके वैशिष्ट्य से उन्हें अवगत कराना.

इकाई (ग) **15 hours**

कुशल नेतृत्व का विकास करना

शैली एवं कौशल का विकास

जनसमुदाय के मध्य हिन्दी भाषा एवं उसके महत्त्व का प्रसार-प्रचार करना
हिन्दी भाषा से जुड़ी आजीविका की सम्भावनाओं से जन समुदाय से परिचित कराना

इकाई (घ) **16 hours**

पर्यावरण की सुरक्षा एवं स्वच्छता को बनाये रखने के लिए प्रेरित करना
प्लास्टिक जैसे पदार्थों के उपयोग को कम करना
ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण व अन्य प्रकार के प्रदूषणों से बचाव के लिए प्रेरित करना
प्रकृति को स्वच्छ रखने एवं उसके मानवानुकूल बनाये रखने के लिए प्रेरित करना

Transaction Mode
व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

- *अग्रवाल, मीनाक्षी(2015) हिंदी व्याकरण : भाषाऔर उसके अनुप्रयोग, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस : नई दिल्ली.*
- *काचरु, प्रो. यमुना(2006) हिंदी का रुपांतरणात्मक व्याकरण, केन्द्रीय हिंदी संस्थान : आगरा.*
- *नायडू, प्रो. मधुसूदन.(2019) संपर्क भाषा हिंदी, नोशन प्रेस : कैलिफ़ोर्निया.*
- *श्रीवास्तव, प्रो. रवीन्द्रनाथ (1978) भाषा शिक्षण, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- *श्रीवास्तव, प्रो. रवीन्द्रनाथ (2019) भाषाईअस्मिता और हिंदी, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- **वेब सर्च** :*https://www.bhaskar.com/news/HAR-HIS-OMC-MAT-latest-hisar- https://leverageedu.com/blog/hi/*https://hindisarang.com/hindi-ke-prachaar-prasaar-mein-vibhinn-sansthaon-ki-bhoomika-3/

Course Title: हिन्दी, तृतीय सत्र, (Discipline Elective)	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3506	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcomes

(1)छात्र पश्चिमी साहित्य सिद्धान्त से अवगत होंगे।

(2)छात्र पश्चिमी साहित्य सिद्धांत से भारतीय साहित्य सिद्धांत की तुलना का विवेक प्राप्त करेंगे।

(3)छात्र साहित्य के मूल्यांकन की नई पद्धतियों से अवगत होंगे।

(4)छात्रों को साहित्य चिंतन की नई दिशा प्राप्त होगी।

Course Content

इकाई (क) **16 Hours**

(1)पाश्चात्य काव्य शास्त्र की पृष्ठभूमि,प्लेटो का चिंतन व आदर्श राज्य की अवधारणा ।

(2)अरस्तू : विरेचन सिद्धान्त और होरेस का काव्य चिंतन होस्स मेरे लोगिनुस का उद्दात तत्त्व।

इकाई(ख) **14 Hours**

1. ड्राइडन
2. अलेक्जेंडर पोप
3. जॉनसन

इकाई '(ग') **15 Hours**

1. वर्ड्स वर्थ,
2. सैमुअल टेलर कॉलरिज
3. मैथ्यू अर्नाल्ड
4. टी .एस .एलियट
5. आई . ए . रिचर्ड्स

इकाई (घ) **15 Hours**

1.आधुनिकतावाद ,

2. उत्तर आधुनिकतावाद,

3.विखंडनवाद

4. संरचनावाद

5.उत्तर संरचनावाद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

उपयोगी पुस्तकें :

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र :आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, पाश्चात्य काव्य शास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र: कृष्णदेव शर्मा:विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : संपादक :ड्रॉ.नागेंद्र: नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,ने दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र :अधुनातन संदर्भ :सत्देव मिश्र,: लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश। पश्चात्य काव्यशास्त्र: वेंकट शर्मा: अलंकार प्रकाशन,दरियागंज, नई दिल्ली।
- काव्य कला : होरेस:अनुवादक:रंगिया राघव एवं महेंद्र चतुर्वेदी:हिंदी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्व विद्यालय,दिल्ली
- ड्राइडेन के आलोचना सिद्धांत:कृष्ण दत्त शर्मा: हिन्दी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय,दिल्ली विश्व विद्यालय,दिल्ली
- एलियट और हिन्दी साहित्य
- चिंतन :मोहन कृष्ण वोहरा,वाणी प्रकाशन,दरियागंज, नई दिल्ली
- रिचर्डस के आलोचना सिद्धान्त: डॉ० शम्भूदत्त झा बम भारती भवन, पटना -1
- मैक्यूआर्नाल्ड - साहित्यिक आलोचना, भारती भवन, पटना _1

Course Title: हिन्दी, तृतीय सत्र, क्रेडिट	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3507	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcomes

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी:विशेष चयन

(1)छात्र भारतीय संस्कृति एवं साहित्य से अवगत होंगे।

(2)छात्र कथा साहित्य की भारतीय एवं पश्चिमी अवधारणा को सही संदर्भों में समझ पाएंगे।

(3)छात्र आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के व्यक्ति व्यंजक निबंधों से अवगत होंगे।

(4)छात्र आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के आलोचकीय प्रतिभा से अवगत होंगे।

Course Content

इकाई (क)' उपन्यास: **16 Hours**

1. चारुचंद्र लेख(उपन्यास)
2. पुनर्नवा(उपन्यास)

इकाई(ख)' ललित निबंध : **14 Hours**

1. अशोक के फूल (चयनित निबंध :अशोक के फूल ,काव्य कला, आलोचना का स्वतंत्र मान, भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।)
2. कल्पलता- (चयनित निबंध: :नाखून क्यों बढ़ते है ,देवदारु, आम फिर बौरा गए, शिरीष के फूल, शव- साधना)

इकाई (ग)आलोचना : **15 Hours**

1. कबीर(कबीर साहित्य की व्यावहारिक आलोचना)

2 कालिदास की लालित्य योजना (1965)

3. साहित्य का मर्म (1949)

इकाई (घ) साहित्यतिहास : **15 hours**

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल
2. नाथ संप्रदाय
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

उपयोगी पुस्तकें.

- पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी: समग्र पुनरावलोकन :प्रो० चौथीराम यादव:लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, उत्तर प्रदेश।
- उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी- : त्रिभुवन सिंह, वाराणसेय प्रकाशन, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय,वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
- हिन्दुस्तानी एकेडमी से' पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी: विशेषांक
- (4,)पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी विशेषांक, शांति निकेतन
- (5) दूसरी परंपरा की खोज: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज, नई दिल्ली
- (6) सम्मेलन पत्रिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी विशेषांक :हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
- (7)पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी :राममूर्ति त्रिपाठी, (उपन्यासों के संदर्भ में):हिंदुस्तानी एकेडमी , इलाहाबाद , उत्तर प्रदेश।
- (8) काशी की माटी: बलिया का विरवा:
- संपादक प्रो. राजमणि शर्मा :संजय बुक सैंटर, गोलघर,वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
- (9)शांति निकेतन से शिवालिक तक - संपादक: शिवप्रसाद सिंह भारतीय ज्ञानपीठ, लोधी रोड,नई दिल्ली ।

Course Title: जगदीश चन्द्र : विशेष	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD3508	4	0	0	4

Total Hours : 60

Course Outcomes

(1)छात्र पंजाब के दलित समाज के दंश की साहित्यिक परिणति से अवगत होंगे।

(2)छात्र समाज में फैली जाति _व्यवस्था के दुष्परिणाम से अवगत होंगे।

(3)छात्र हिन्दी लेखन में वर्णित पंजाब के कृषि समाज के स्वरूप से अवगत होंगे।

(4)छात्र हिन्दी उपन्यास में एक विशेष समुदाय के अनुभव एवं भाव संपदा से अवगत होंगे।

Course Content

इकाई '(क)' उपन्यास, **15 Hour**

1. धरती धन न अपना (1972)
2. आधा पुल (1973)

इकाई'(ख)'उपन्यास, **15 Hour**

1. घास गोदाम (1985)
2. नरक कुण्ड में वास (1११५)

इकाई('ग')उपन्यास, **15 Hour**

1-लाट की वापसी (2000)

2. जमीन अपनी तो थी (2001)

इकाई (घ)कहानी व नाटक **15 Hour**

(1)पहली रपट (कहानी संकलन)

2. नेता का जन्म (नाटक)

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

उपयोगी पुस्तकें:

1. हिन्दी के राजनीतिक उपन्यासों का अनुशीलन-ब्रजभूषण सिंह, रचना प्रकाशन,इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

2. जगदीश चन्द्र: एक रचना यात्रा, तरसेम गुजराल, सतलुज प्रकाशन

3. बाजार और जनतंत्र - प्रफुल्ल कोलख्यान,आनन्द प्रकाशन,कोलकाता,पश्चिमी बंगाल,

(4)समाजशास्त्रीय विचारों के आधार: एम. एल. गुप्ता, साहित्य भवन प्रकाशन ,इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

5. शब्द और कर्म: मैनेजर पाण्डे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज,नई दिल्ली

(6)श्रम कल्याण और औद्योगिक संबंध : बालेश्वर पांडेय : रावत पब्लिकेशन,दरियागंज,नई दिल्ली ।

IV Semester

Course Title: Smkaleen hindi kavya	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD4500	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.छात्र प्रगतिवाद की विशेषताओं और - काव्यानुभूति के पृथक्- पृथक् स्तरों से अवगत होंगे।

2.छात्र प्रयोगवाद के अंतर्दर्शन एवं काव्यानुभूति से अवगत हो सकेंगे।

3.छात्र स्वातंत्र्योत्तर कविता के मोहभंग के स्वर से परिचित होंगे।

4.छात्र समकालीन भावभूमि एवं कविता में स्त्री स्वर से परिचित होंगे।

Course Content

भाग (क) **15 hours**

प्रयोगवाद हिंदी कविता में :मध्यवर्ग की उपस्थिति एवं युगीन दंश

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय :नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार, बाबरा अहेरी

भाग (ख) **16 hours**

मुक्ति की आकांक्षा और प्रगति का पथ हिंदी कविताप्रगतिशील हिंदी कविता :

मुक्तिबोध :अंधेरे में

सुदामा पांडेय धूमिल :पटकथा

भाग (ग) **16 hours**

सत्ता के प्रतिपक्ष में प्रगतिशील स्वर :नागार्जुन और केदारनाथ अग्रवालकेदारनाथ अग्रवाल: जो शिलाएँ तोड़ते हैं, मैंने उसको जब जब देखानागार्जुन: बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, उनको प्रणाम

श्रीकांत वर्मा : मगध, जलसाघर

भाग (घ) **14 hours**

आधुनिकता का दबाव और कविता का बदलता परिवेश

केदारनाथ सिंह -बनारस, बाघ

कात्यायनी -इस स्त्री से डरो दाहक ,जीवन दाह, भाइयों के बीच चम्पा, गार्ग

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *मिश्र, कृष्ण मुरारी (1971)अध्ययन और मुक्तिबोध की कविता. राधाकृष्ण प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली.*
- *सिंह, केदारनाथ (2001)आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान. राधाकृष्ण प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली*
- *सिंह) नामवर ,2005(कविता के नए प्रतिमान. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली. शर्मा, रामविलास.नई कविता और अस्तित्ववाद. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली.*
- *जैन ,निर्मला) 1977(नयी समीक्षा के प्रतिमान. नेशनल पब्लिक सिंह हाउस: नई दिल्ली.*
- *कुमार, जगदीश) 1976(नई कविता: विलायती संदर्भसंमार्ग प्रकाशन.*
- *शर्मा ,रामविलास)1984 (मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य. वाणी प्रकाशन: दरियागंज, नई दिल्ली*
- *त्रिपाठी, अनिल)2007 (मिट्टी की रोशनी शिल्पायन प्रकाशन :शाहदरा, दिल्ली*
- *त्यागी, सुरेशचंद्र .नागार्जुन :आशिर प्रकाशन .सहारनपुर*
- *सिंह योगेंद्र.भारतीय परंपराओं का आधुनिकीकरण रावत प्रकाशन: नई दिल्ली*
- *शर्मा, रामविलास प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवालपरिमल प्रकाशन , इलाहाबाद*

Course Title: Dissertation (Research Project)	L	T	P	Cr.
Course Code: MEG4551	4	0	0	4

Course Title: Samanya hindi	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD MHD4503	o	0	4	2

Total Hours : 30

Course Outcomes

1.हिंदी साहित्य की सभी विधाओं की जानकारी होगी।

2.हिंदी भाषा लेखन ज्ञान में वृद्धि होगी।

3. हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

4.छात्रों की सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।

5. छात्रों में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।

Course Content

इकाई (क) **7 hours**

हिंदी वर्णमालाः स्वर, व्यंजन

वर्णों का उच्चारण स्थान

संधि, पर्यायवाची, विपरीत शब्द, अनेक के लिए एक, शुद्ध अशुद्ध, मुहावरे

इकाई (ख) **8 hours**

काव्यांजलि -प्रमुख कवि

भारतेंदु हरिश्चंदर -यमुना शोभा, मैथलीशरण गुप्त -साकेत

माखन लालचतुर्वेदी -पुष्प की अभिलाषा

जयशंकर प्रसाद

सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर

इकाई (ग) **9 hours**

कथाकार प्रमुख कथाकार

प्रेमचंद, जैनेन्द्र, शिवानी, अमरकांत, फनीश्वर नाथ रेणु

नाटककार -विष्णु प्रभाकर, लक्ष्मी नारायण लाल

इकाई (घ) **6 Hours**

कविता, कहानी लेखन

पत्र, निबन्ध

Transaction Mode: व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा,
मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूचीः

मिश्र, कृमरविहारी, हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रकाशन दिल्ली 1969
राधेश्याम, विकास पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ 1990
दीक्षित सूर्यकान्त, जनपत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क, संजय प्रकाशन दिल्ली 1998
मिश्र, चन्द्रप्रकाश, मीडिया लेखन, सिद्धान्त और व्यवहार, संजय प्रकाशन दिल्ली 1987
पाण्डेय, स्नाकर, हिन्दी पत्रकारिता, प्रेमचन्द्र औ रहंस, प्रदीप प्रकाशन दिल्ली 1995

वेबसर्च:

हिन्दी वर्णमाला मात्राएँ हिन्दी dassnotes.org.in) जैनेन्द्रकुमार) विकिपीडिया -wikipedia.org)
Hindi Grammar CBSE Class 6, 7, 8, 9, 10, 11 and 12 for 2019-20 Session (learncbse. in)

Course Title: AADHUNIK KTHA ITR SAHITY	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD4503	4	0	0	4

Total Hours: 60

Course Outcomes

1.निबंध के स्वरूप विकास एवं उनके प्रकार का परिचय प्राप्त होगा। रामचंद्र शुक्ल एवं आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध कौशल का परिचय प्राप्त होगा।

2.नाटक के स्वरूप एवं हिंदी नाटक की विकास-यात्रा का परिचय प्राप्त होगा। जयशंकर प्रसाद के नाट्य कौशल से परिचित होंगे।

3.आत्मकथा और जीवनी के हिंदी स्वरूप से परिचय के साथ-साथ छात्रों को शरद्चंद्र (आवारा मसीहा) के रचनात्मक व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

इकाई (क) **18 hours**

निबंध की परिभाषा और स्वरूप विश्लेषण

निबंध के प्रकार एवं उसके विश्लेषण

1.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(क) कविता क्या है?

(ख) भाव अथवा मनोविकार

2.आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(क) कुटज

(ख) अशोक के फूल

इकाई (ख) **12 hours**

नाटक का अर्थ ,परिभाषा एवं स्वरूप- विश्लेषण

हिंदी नाटक की विकास यात्रा

चन्द्रगुप्त- जयशंकर प्रसाद

इकाई (ग) **15 hours**

यात्रा वृत्तान्त का स्वरुप और विश्लेषण

चीड़ों पर चांदनी -निर्मल वर्मा

इकाई (घ) **15 hours**

हिंदी आत्मकथा का स्वरूप, विश्लेषण एवं आधुनिक आत्मकथा के स्वर

जीवनी: स्वरूप विश्लेषण एवं हिंदी साहित्य में उसकी उपस्थिति

आवारा मसीहा-विष्णु प्रभाकर

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूचीः

- मिश्र, कृमरविहारी, हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रकाशन दिल्ली 1969
- राधेश्याम, विकास पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ 1990
- दीक्षित सूर्यकान्त, जनपत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क, संजय प्रकाशन दिल्ली 1998
- मिश्र, चन्द्रप्रकाश, मीडिया लेखन, सिद्धान्त और व्यवहार, संजय प्रकाशन दिल्ली 1987
- पाण्डेय, स्नाकर, हिन्दी पत्रकारिता, प्रेमचन्द्र औ रहंस, प्रदीप प्रकाशन दिल्ली 1995

Course Title: निराला’ विशेष अध्ययन	L	T	P	Cr.
Course Code: MHD4503	**4**	**0**	**0**	**4**

Total Hours: 60

Course Outcomes

(1) छात्र निराला के काव्य के विविध स्तरों से अवगत होंगे।

(2)छात्र निराला के उपन्यास कला के अवगत होंगे।

(3)छात्र निराला की भावयित्री (भावन-प्रतिभा) से अवगत होंगे।

(4) छात्र परवर्ती साहित्य पर निराला-साहित्य के प्रभाव को अनुभव कर सकेंगे।

इकाई (क) कविता खण्ड **16 Hours**

1. बादल राग
2 वंदना वर दे,वीणावादिनी
3. सरोज समृति
4. तुलसीदास (प्रारम्भिक 20 पद)

इकाई (ख)उपन्यास' **14 Hours**

1. विल्लेसुर बकरिहा (1942),
2. काले कारनामे (1950)

इकाई (ग) कहानी खण्ड' **14 Hours**

1. चतुरी चमार(कहानी)
2. देवी(कहानी)

इकाई (घ)आलोचना खण्ड **16 Hours**

1. प्रबंध प्रतिमा (चयनित निबंध _ गाँधी जी से बातचीत ,महर्षि दयानन्द और युगांतर,साहित्यिक सन्निपात या वर्तमान धर्म, चंडी दास और विद्यापति ,नेहरू जी से दो बातें)
2. रवीन्द्र कविता कानन

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

उपयोगी पुस्तकें

- क्रांतिकारी कवि 'निराला' : बच्चन सिंह, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
- निराला की साहित्य साधना :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
- दरियागंज, नई दिल्ली 3. निरालाः कृति से साक्षात्कार - नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, 4. कथा शिल्पी: निराला-
- सिविल लाइंस, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, उ.प्रकाशन इलाहाबाद,
- 5. निराला: आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- 6. निराला का गद्य : सूर्य प्रसाद दीक्षित,राधा कृष्ण प्रकाशन, दरियागंज,
- 7. निराला की साहित्य और साधना :विश्वम्भर नाथ शर्मा, विनोद प्रकाशन मंदिर ,आगरा, उत्तर प्रदेश
- 8. निराला की कविताएँ और काव्य: रेखा खरे ,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- (9)निराला का कथा साहित्य - नरपत चन्द सिंघवी, बाफना प्रकाशन जयपुर